K–195

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य(Assignment Work)सत्र –जुलाई–जुन 2024–25

एम.ए. (संस्कृत) अंतिम

विषय –गद्य एवं काव्य **प्रश्नपत्रः प्रथम**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः–परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ– अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब –अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स –लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द –अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

खण्ड–अ

1. शापित यक्ष ने किसे अपना सन्देशवाहक बनाया ?
2. मेघ किन-किन वसतुओं का संघात है ?
3. 'मेघदूत' में कुल कितने श्लोक हैं ?
4. 'कितव' का क्या अर्थ होता है ?
5. नल किस युग के राजा थे ?
6. श्रीहर्ष को किससे प्रतिदिनि ससम्मान को बीड़े पान प्राप्त होते थे ?
7. कुमारसम्भवम् में कितने सर्ग हैं ?
8. कुमारसम्भवम् का अंगी रस क्या है ?

खण्ड–ब

9. 'रिक्तः सर्वो भवति हि लघुः पूर्णता गौरवाय' इस कथन की व्याख्या कीजिए।
10. 'प्रायः सर्वो भवति करुणावृत्तिरार्द्रान्तरात्मा' इस कथन की व्याख्या कीजिए।
11. 'क्व भोगमाप्नोति न भाग्यभाग्जनः' इस उक्ति की व्याख्या कीजिए।
12. क्षुद्रेऽपि नूनं शरणं प्रपन्ने ममत्वमुच्चैः शिरसां सतीक' इस उक्ति की व्याख्या कीजिए।
13. निर्वासित यक्ष की विरह–दशा का वर्णन कीजिए।
14. अलका नगरी की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

सत्रीय कार्य– 2

खण्ड–स

15. निम्नलिखित पद्य की व्याख्या कीजिए–

    जातं वशे भुवनविदिते पुष्करावर्तकानां
    जानामि त्वां प्रकृतिपुरुषं कामरूपं मघोनः।
    तेनार्थित्वं त्वयि विधिवशाद् दूरबन्धुर्गतोऽहं
    याच्ञा मोघा वरमधिगुणे नाधमे लब्धकामा।।

16. निम्नलिखित पद्य की व्याख्या कीजिए –

    त्वामालिख्य प्रणयकुपितां धातुरागैः शिलाया-
    मात्मानं ते चरणपतितं यावदिच्छामि कर्तुम्।
    अस्त्रैस्तावन्मुहुरूपचितैर्दृष्टिरालुप्यते मे
    क्रूरस्तस्मिन्नपि न सहते संगमं नौ कृतान्तः।।

17. निम्नलिखित पद्य की व्याख्या कीजिए–

    अमुष्य विद्या रसनाग्रनर्तकी
    त्रयीव नीतांगगुणेन विस्तरम्।
    अगाहताष्टादशतां जिगीषया
    नवद्वयद्वीपपृथग्जयश्रियाम्।।

18. निम्नलिखित पद्य की व्याख्या कीजिए–

    अस्त्युत्तरस्यां दिशि देवतात्मा हिमालयो नाम नगाधिराजः।
    पूर्वापरौ तोयनिधी वगाह्य स्थितः पृथिव्या इव मानदण्डः।।

सत्रीय कार्य– 3

खण्ड–द

19. विरही यक्ष ने मेघ के माध्यम से अपनी प्रियतमा को क्या सन्देश भेजा ? अपने शब्दों में वर्णन कीजिए।
20. यक्ष ने अलकापुरी में अपने घर की पहचान का मेघ से जो वर्णन किया, उसे अपने शब्दों में लिखिए।
21. श्रीहर्ष के पाण्डित्य पर प्रकाश डालिए।
22. 'कुमारसम्भवम्' के प्रथम सर्ग का कथासार लिखिए।

सत्रीय कार्य– 4

खण्ड–इ

23. ''नैषधं विद्वदौषधम्'' इस कथन की समीक्षा कीजिए।
24. कालिदास की रचनाओं का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 28 फरवरी 2025 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जुन–जुलाई 2024–25 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जुन–जुलाई 2024–25 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

K–196

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य(Assignment Work)सत्र – जुलाई–जुन 2024–25

एम.ए. (संस्कृत) अंतिम

विषय –साहित्यशास्त्र **प्रश्नपत्रः द्वितीय**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः–परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ– अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब –अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स –लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द –अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

खण्ड–अ

1. काव्य के कितने प्रयोजन हैं ?
2. मुख्यार्थ बाधित होने पर कौन-सी शक्ति होती हैं ?
3. व्यंञ्जना व्यापार को कौन मानते हैं ?
4. शृंगार रस का स्थायी भाव क्या है ?
5. आनन्दवर्धन किस राजा के समकालीन थे ?
6. आनन्दवर्धन का स्थिति काल क्या है ?
7. दारु कर्म क्या है ?
8. ध्वनि का खण्डन किसने किया ?

खण्ड–ब

9. रूढ़िमूला लक्षणा क्या है ?

10. शब्द की कितनी शक्तियाँ होती हैं ?

11. व्यभिचारी भाव के नाम लिखिए।

12. रसों के नाम लिखिए।

13. भाक्तवादियेां का मत लिखिए।

14. काव्य में औचित्य की आवश्यकता क्यों है ?

सत्रीय कार्य– 2

खण्ड–स

15. अभिधा का स्वरूप लिखिए।

16. भरत का रस सूत्र क्या है ?

17. अभाववादियों के मत का खण्डन कीजिए।

18. कुन्तक प्रतिपादित वक्रोक्ति के भेद लिखिए।

सत्रीय कार्य– 3

खण्ड–द

19. शब्द एवं अर्थ के स्वरूप की विवेचना कीजिए।

20. अभिनव गुप्त के अभिव्यक्तिवाद की समीक्षा कीजिए।

21. ध्वनि के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।

22. आचार्य भरत का परिचय दीजिए।

सत्रीय कार्य– 4

खण्ड–इ

23. नाट्य सम्बन्धी विविध मतों की समीक्षा कीजिए।

24. ध्वनि विरोधी अभाववादियों के मतों की समीक्षा कीजिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 28 फरवरी 2025 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।
2. छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।
3. सत्रांत परीक्षा सत्र जुन–जुलाई 2024–25 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जुन–जुलाई 2024–25 जैसा ही रहेगा।
4. सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य(Assignment Work)सत्र – जुलाई–जुन 2024–25

एम.ए. (संस्कृत) अंतिम

विषय –नाटक तथा नाट्यशास्त्र **प्रश्नपत्रः तृतीय**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 10**

नोटः–परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ– अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब –अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स –लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द –अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

खण्ड–अ

1. राक्षस की अँगूठी चाणक्य को कहाँ से प्राप्त हुई ?
2. शकटदास कौन था ?
3. रदनिका कौन है ?
4. चारुदत्त की पत्नी का नाम क्या है ?
5. वेणीसंहार के लेखक का नाम क्या है ?
6. वेणीसंहार में कितने अंक हैं ?
7. नाट्य का लक्षण लिखिए।
8. नायक के सात्त्विक गुण कितने हैं ?

खण्ड–ब

9. राक्षस की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए।
10. ''उपायापाय शंकाभ्यां प्राप्त्याशा प्राप्तिसंभवः'' व्याख्या कीजिए।
11. लिम्पतीव तमोऽङ्गानि वर्षतीवाञ्जनं नभः।

    असत्पुरूषेवेव दृष्टिर्विफलतां गता।।

    सप्रसंग व्याख्या कीजिए।
12. प्रतिनायक किसे कहते हैं ? लक्षण लिखिए।
13. वेणीसंहार पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
14. भीम की प्रतिज्ञा का उल्लेख कीजिए।

सत्रीय कार्य– 2

खण्ड–स

15. सेठ चन्दनदास पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
16. राक्षस की अँगूठी चाणक्य तक कैसे पहुँची ? उल्लेख कीजिए।
17. मृच्छकटिकम् का सारांश लिखिए।
18. पाँच अर्थप्रकृतियाँ कौन-कौन सी हैं ? परिभाषा दीजिए।

सत्रीय कार्य– 3

खण्ड–द

19. विशाखदत्त का परिचय देते हुए 'मुद्राराक्षसम्' का सारांश लिखिए।
20. चारुदत्त की चारित्रिक विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
21. वेणीसंहार के नायक तथा प्रतिनायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।
22. निम्न पर टिप्पणी लिखिए (कोई 2) :
    (क) सूत्रधार
    (ख) पताका
    (ग) सात्त्वतीवृत्ति
    (घ) नायक के गुण
    (ङ) कथावस्तु

सत्रीय कार्य– 4

खण्ड–इ

23. 'मृच्छकटिकम्' के आधार पर तत्कालीन सामाजिक दशा की समीक्षा कीजिए।

अथवा

'मुद्राराक्षसम्' की नाट्यगत विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

24. संधि किसे कहते हैं ? नाट्यगत संधि भेदों का विस्तृत वर्णन कीजिए।

अथवा

वेणीसंहार के आधार पर भट्टनारायण के नाट्य कौशल की समीक्षा कीजिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 28 फरवरी 2025 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जुन–जुलाई 2024–25 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जुन–जुलाई 2024–25 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

K–198

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य(Assignment Work)सत्र – जुलाई–जुन 2024–25

एम.ए. (संस्कृत) अंतिम

विषय –भारतीय समाज एवं पर्यावरण **प्रश्नपत्रः चतुर्थ**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः–परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ– अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब –अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स –लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द –अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

खण्ड–अ

1. वैदिक शिक्षा में सर्वाधिक महत्वपूर्ण किसे माना गया है ?
2. अजितकेसलम्बकं क्या था ?
3. वायुपुराण में प्रमुखतः किसका वर्णन है ?
4. पौराणिक विश्वकोश किसे कहा गया है ?
5. किससे ऋणमुक्त होना सम्भव नहीं है ?
6. अजो नित्यः शाश्वतोऽयं पुराणः कहाँ उल्लिखित है ?
7. प्रदूषणरहित यातायात की सर्वश्रेष्ठ साधन क्या है ?
8. विश्व में किस धर्म के अनुयायी सर्वाधिक हैं ?

खण्ड–ब

9. आत्मा के पाँच विभागों का नाम लिखिए।
10. प्रतीत्य समुत्पाद का अर्थ स्पष्ट कीजिए।
11. भागवतपुराणं की विशेषताएँ क्या हैं ?
12. शिक्षा का उद्देश्य क्या है ?
13. तेन व्यक्तेन भुज्जीथां का अर्थ लिखिए।
14. पर्यावरणीय समस्या के चार प्रमुख कारण लिखिए।

सत्रीय कार्य– 2

खण्ड–स

15. वैदिक धर्म की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।
16. उप–पुराण कितने हैं ? उनका नामोल्लेख कीजिए।
17. संस्कृत साहित्य में वर्णित श्रेष्ठ राजा के गुण लिखिए।
18. पर्यावरणीय शिक्षा का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

सत्रीय कार्य– 3

खण्ड–द

19. भ्रमण धर्म के चार आर्य सत्यों की विवेचना कीजिए।
20. पुराणों के रचनाकार एवं विकास क्रम पर निबन्ध लिखिए।
21. संस्कृत साहित्य में राष्ट्रीयता की अवधारणा की समीक्षा कीजिए।
22. गंगा को प्रदूषण मुक्त करने के क्या उपाय हो सकते हैं ?

सत्रीय कार्य– 4

खण्ड–इ

23. संस्कृत साहित्य के अनुसार प्राचीन दण्ड व्यवस्था का वर्णन कीजिए।
24. पर्यावरणीय शिक्षा की आवश्यकता एवं महत्ता पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 28 फरवरी 2025 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।
2. छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।
3. सत्रांत परीक्षा सत्र जुन–जुलाई 2024–25 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जुन–जुलाई 2024–25 जैसा ही रहेगा।
4. सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।